आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–25 फरवरी 2025 सान्ध्य समाचार

विधानसभा बजट सत्र के छठें दिन आज विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष का व्यवहार किसी भी आदर्श लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और अपने संवैधानिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के लिये ही वर्ष के पहले सत्र में उनके द्वारा दोनों सदनों को एक साथ सम्बोधित किया जाता है। इस सम्बोधन में मर्यादा और शालीनता का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। अपने सम्बोधन में प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए श्री योगी ने कहा कि यह महाकुंभ दुनिया में अब तक हुए सभी आयोजनों के रिकॉर्ड को तोड़ रहा है। इस महाकुंभ ने प्रदेश में नये पंचतीर्थ को जोड़ा है। इसके माध्यम से श्रद्धालु अयोध्या, काशी, मथुरा और गोरखपुर दर्शन करने के लिये पहुंच रहे हैं।

****

प्रयागराज महाकुंभ में कल महाशिवरात्रि पर्व पर अंतिम स्नान होगा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए महाकुंभ मेला क्षेत्र को आज शाम चार बजे से नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है। साथ ही पूरा प्रयागराज कमिश्नरेट शाम छह बजे से नो व्हीकल जोन बन गया है। प्रयागराज प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह जहां से आ रहे हैं वहां के नजदीकी घाट पर ही स्नान करें। महाकुंभ में स्नान के लिए आज भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे। तेरह जनवरी से लेकर आज दोपहर बाद तक करीब चौसठ करोड़ श्रद्धालु पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान कर चुके थे। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू समेत कई विशिष्ट लोगों ने भी आज महाकुंभ स्नान किया।

****

प्रयागराज महाकुंभ में डिजिटल अनुभूति केन्द्र में तीन लाख पचास हजार से ज्यादा श्रद्धालु आ चुके हैं। आध्यात्मिकता और नवीनता का यह केन्द्र आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्राचीन पौराणिक कथाओं को जीवंत कर रहा है। हमारे संवाददाता ने बताया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल ने भी डिजिटल अनुभूति केन्द्र में महाकुंभ की भव्यता का आनंद लिया और इस पहल की प्रशंसा की।

महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर–4 में बना डिजिटल अनुभूति केंद्र इस आध्यात्मिक महापर्व के मुख्य आकर्षणों में से एक है। केंद्र में एआई, वर्चुअल रियलिटी और होलोग्राम देश की समृद्ध संस्कृति को डिजिटल प्रगति के साथ जोड़ रहे हैं। डिजिटल अनुभूति केंद्र विशेष रूप से युवा आगंतुकों और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। केंद्र में 12 गैलरी हैं और ये महाकुंभ, समुद्र मंथन, यमुना नदी और प्रयाग महापर्व की कहानियों को डिजिटली दर्शाते हैं।

****

वाराणसी में महाशिवरात्रि पर्व में श्रद्धालुओं की उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए जिला और काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये हैं। महाशिवरात्रि के दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर लगातार बत्तीस घंटे तक शिव भक्तों के लिये खुला रहेगा। जिला प्रशासन के अनुसार महाशिवरात्रि पर इस बार बाबा विश्वनाथ के दर्शन–पूजन के लिये बारह से पन्द्रह लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की सम्भावना है। काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन की ओर से विश्व भूषण मिश्र ने जानकारी दी है कि कल तड़के तीन बजकर पन्द्रह मिनट तक महाआरती होगी। उसके बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन–पूजन के लिये खोल दिये जायेंगे।

महाशिवरात्रि के दिन मंगला आरती होगी। प्रातःकाल दो बजकर पन्द्रह मिनट पर होगी। तीन बजकर पन्द्रह मिनट पर मंगला आरती समाप्त हो जाएगी। इसके पश्चात सामान्य दर्शनार्थियों के दर्शन प्रारंभ हो जाएगी। भोग आरती दोपहर में ग्यारह बजकर चालीस मिनट से बारह बजकर तीस मिनट तक चलेगी। रात्रि साढ़े नौ बजे से सुबह सवा छौ बजे तक अगले दिन के यह चार पहर की आरती कि जाएगी। इसी बीच में जो नागा सन्यासियों का यहां पर शोभा यात्रा के साथ दर्शन करने का कार्यक्रम हमे प्राप्त हुआ है।.वह दो दलों के रूप में आएगें। एक छह बजे से नौ बजे प्रातःकाल दर्शन करेंगा। दूसरा दल बारह से दो बजे की बीच आएगा। नागा सन्याशियों के साथ साथ सामान्य दर्शनार्थी भी दर्शन करेगें।

प्रदेश के अन्य शहरों में भी शिव मंदिरों और शिवालयों में महाशिवरात्रि पूजन की तैयारी जोर–शोर से चल रही है। मंदिरों की साफ–सफाई के बाद उन्हें सजाया–संवारा गया है। श्रद्धालुओं के दर्शन–पूजन के लिये सभी मंदिरों में विशेष व्यवस्था की गयी है।

****

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत आज महराजगंज के जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर के पास आयोजित कार्यक्रम में एक सौ सत्तासी जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने नवविवाहित जोड़ों को बधाई और शुभकामनाएं दी। साथ ही योजना की खुबियां भी गिनायी। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिये मददगार साबित हो रही है। इससे सर्वधर्म समाज और सामाजिक संस्कृति को बल मिल रहा है।

****